केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 69 बुधवार 30 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

सकिय राजनीति में उतरेंगी पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल

लखनऊ (आभा)। पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने आज सक्रिय राजनीति में उतरने का ऐलान कर उत्तर प्रदेश की सियासत में नई चर्चा छेड़ दी है। मित्तल ने साफ किया कि वह किसी स्थापित राजनीतिक दल के सहारे नहीं, बल्कि स्वतंत्र मंच के जरिए जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत इसी प्रदेश से होगी। एक वीडियो संदेश में दिव्या मित्तल ने बताया कि प्रशासनिक सेवा के दौरान जनता के बीच काम करते हुए उन्हें कई ऐसी हकीकतों का सामना करना पड़ा, जिसने उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि सरकारी मंजूरी, धन और नियम–कायदे मौजूद होने के बावजूद आम लोगों की अनेक समस्याएं वर्षों तक जस की तस पड़ी रहती हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों की आवाज सरकार तक पहुंच ही नहीं पाती और जिनकी आवाज पहुंचती भी है, उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाती।

राजनीति में आने के पीछे अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए मित्तल ने ग्रामीण क्षेत्रों की बदहाल आधारभूत सुविधाओं, असुरक्षित सड़कों, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में रोजगार की चुनौतियों को प्रमुख मुद्दा बताया। उनका कहना है कि इन विषयों पर केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि गंभीर सार्वजनिक बहस और दीर्घकालिक नीति की जरूरत है। दिव्या मित्तल ने कहा कि वह ऐसी राजनीति करना चाहती हैं जिसमें इरादा, न्याय, संवेदनशीलता और दूरगामी सोच केंद्र में हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल मौजूदा नेताओं को हटाकर नए चेहरों को स्थापित करना नहीं है, बल्कि राजनीति के काम करने के तरीके में बदलाव लाना है।

एक नजर

राष्ट्रीय ऑक्सीजन दिवस पर जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क मेडिकल ऑक्सीजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। राष्ट्रीय ऑक्सीजन दिवस के अवसर पर साहू इण्डस्ट्रीज की ओर से एक मानवीय पहल करते हुए जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध कराई गई।

साहू इण्डस्ट्रीज के गौरव साहू ने कहा कि ऑक्सीजन केवल एक गैस नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन और सांसों का सहारा है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य केवल व्यवसाय करना नहीं, बल्कि जरूरत के समय समाज के लोगों के साथ खड़ा होना भी है। कहा कि यह मेरे लिए केवल एक सेवा नहीं, बल्कि मेरे पूज्य पिता स्वर्गीय नंद किशोर साहू जी के संस्कारों को आगे बढ़ाने का प्रयास है। उन्होंने हमेशा जरूरतमंदों की मदद और समाज की सेवा को प्राथमिकता दी। आज उन्हीं के संस्कार और आशीर्वाद से मुझे इस तरह की सेवा करने की शक्ति मिलती है।"

एटीएम में कार्ड फंसाकर 54,400 रुपए की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । अस्पताल चौराहा स्थित एसबीआई एटीएम में कार्ड फंसने के बाद एक व्यक्ति के खाते से 54,400 रुपए की ठगी हो गई। घोरागा निवासी साधना सिंह की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। साधना सिंह के पति धीरेंद्र बहादुर सिंह 13 अगस्त को सुबह 7 बजे एसबीआई एटीएम पहुंचे। 5,000 रुपए निकालने के बाद उनका कार्ड मशीन में फंस गया। उनके खाते में 60,579 रुपए थे। धीरेंद्र ने बैंक के टोल फ्री नंबर पर फोन किया। उन्हें बताया गया कि मैकेनिक सुबह 10 बजे कार्ड निकालेगा। धीरेंद्र के जाने के कुछ देर बाद साधना के मोबाइल पर पैसे निकलने के मैसेज आने लगे। एक व्यक्ति के खाते से 54,400 रुपए की ठगी हो गई, मामले की शिकायत थाना पुरानी बस्ती में की गई है। एक व्यक्ति के खाते से 54,400 रुपए की ठगी हो गई, मामले की शिकायत थाना पुरानी बस्ती में की गई है।

कार्ड ब्लॉक कराने तक 54,400 रुपये निकल चुके थे, खाते में सिर्फ 1,179 रुपये बचे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान कर रही है। साइबर सेल बस्ती को भी सूचना दी गई है।

मजदूर की करंट से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह बिल्डिंग का काम करते समय करंट की चपेट में आने से 55 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन उन्हें आनन–फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान राम स्वरूप (55) पुत्र रामनयन, निवासी बेलबतिया, थाना पुरानी बस्ती के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि राम स्वरूप मंगलवार सुबह करीब 10 बजे पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र स्थित एक दुकान में बिल्डिंग निर्माण का काम कर रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद राम स्वरूप को मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

भाजपा ने घोषित किया एमएलसी पद के 6 उम्मीदवार

लखनऊ (आभा)। भाजपा ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए छह प्रत्याशियों की घोषणा की है। इनमें तीन स्नातक और तीन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवार हैं। वाराणसी स्नातक से केदार नाथ सिंह, मेरठ से दिनेश गोयल और इलाहाबाद–झांसी से अशोक कुमार राठौर को टिकट मिला है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने छह और प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने वाराणसी, मेरठ, झांसी, आगरा और गोरखपुर–फैजाबाद समेत छह सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया है।

रज्जू प्रसाद अध्यक्ष राजेश कुमार मंत्री घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक इकाई विक्रमजोत का अधिवेशन और निर्वाचन विक्रमजोत के निकट एक निजी हाल में आयोजित हुआ। अधिवेशन के प्रथम चरण में शैक्षिकोन्नयन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला संयोजक देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि आज के परिवेश में शिक्षा और शिक्षक दोनों संकट के दौर से गुजर रहे है। गोष्ठी को विजय प्रकाश चौधरी, महेश मास्टर, राम भरत वर्मा,चंद्रभान चौरसिया आदि ने संबोधित किया।

- शिक्षा और शिक्षक दोनों पर संकट- देवेन्द्र वर्मा
- प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में उठे मुद्दे

कार्यक्रम के दूसरे चरण में पर्यवेक्षक डा0 दुर्गा प्रसाद सिंह और चुनाव अधिकारी राज नारायण त्रिपाठी की देखरेख में ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन कराया गया। सर्व सम्मत से अध्यक्ष पद पर रज्जू प्रसाद कन्नौजिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, मंत्री राजेश कुमार यादव, विश्व दीपक मिश्रा कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री पर राधेश्याम वर्मा निर्वाचित हुए। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर बालिस्टर सिंह, लक्ष्मी कांत, श्रवण कुमार सिंह, ब्रिज बिहारी वर्मा और श्रीमती प्रतिभा निर्वाचित हुई। संगठन मंत्री पद पर महेंद्र कुमार,संजय कुमार वर्मा, सुखराज और विनोद कुमार जबकि प्रचार मंत्री पद पर अवनीश यादव,उदयभान विश्वकर्मा सिंह निर्वाचित हुए। एकाउंटेंट पद पर राम सुरेश वर्मा और ऑडिट राम नरेश निर्वाचित हुए। संरक्षक पद का दायित्व महेंद्र कुमार पांडेय और परशुराम को मिला।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को जिला सह–संयोजक विजय प्रकाश चौधरी ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रताप नारायण चौधरी, शोभाराम वर्मा, ज्ञानदास कन्नौजिया,हरिमूर्ति वर्मा,विजय कन्नौजिया, राघवेंद्र वर्मा, भारत राम सहित सैकड़ों शिक्षक शामिल रहे।

जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भाजपा नेता अनूप खरे समेत दो पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बस्ती। कोतवाली पुलिस ने आर्थिक शोषण, गाली–गलौज, धमकी और रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भाजपा नेता अनूप खरे, उनके भतीजे दिव्यांशु खरे और अनुभव श्रीवास्तव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दीपांशी श्रीवास्तव की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने 28 सितंबर 2026 को शाम 5ः18 बजे प्राथमिकी दर्ज की। मामले की जांच उपनिरीक्षक ब्रह्मानंद सिंह को सौंपी गई है।

तहरीर के अनुसार, शिकायतकर्ता का आरोप है कि अनूप खरे और दिव्यांशु खरे का उनके परिवार से पहले से परिचय था। आरोप है कि उनके पिता के साथ लेनदेन के बाद करीब 8.70 लाख रुपए लिए गए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इसके बाद उनके परिवार के बैंक खातों, एलआईसी और एफडी के रुपये के साथ अन्य माध्यमों से भी धन लिया गया।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर फोन और व्हाट्सएप कॉल के जरिए गाली–गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि 25 लाख रुपये देने की मांग करते हुए रकम नहीं देने पर शिकायतकर्ता और उसके पूरे परिवार को जान से मारने तथा फर्जी मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी गई।

तहरीर में यह भी कहा गया है कि 23 सितंबर 2026 को गंदे नाले के पास पांच लाख रुपये नकद दिए गए। शिकायतकर्ता ने आरोपितों पर वाहन से टक्कर मारने और अन्य तरह से नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पुलिस को व्हाट्सएप चौट के स्क्रीनशॉट और ऑडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध होने की बात कही गई है।

करंट लगने से बुजुर्ग की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता
बस्ती । छावनी थाना क्षेत्र के चौकड़ी गांव में मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की करंट लगने से मौत हो गई। माता प्रसाद वर्मा नाम के बुजुर्ग अपने घर की बिजली सप्लाई ठीक करने की कोशिश कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

माता प्रसाद वर्मा के घर की बिजली बंद थी। वह घर के पास स्थित बगीचे में गए थे, जहां से बिजली की लाइन गुजरती है। बताया गया कि बगीचे में पानी भी भरा हुआ था। उन्होंने बिजली का कटा हुआ तार जोड़ने का प्रयास किया। तार जोड़ते समय अचानक उन्हें करंट लग गया और वह मौके पर ही गिर पड़े। परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हर्रैया ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों के मुताबिक, बिजली बंद होने पर माता प्रसाद खुद तार जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। बगीचे में पानी भरा होने के कारण हादसा ज्यादा खतरनाक हो गया। बिजली के तार में खराबी होने पर खुद मरम्मत करने के बजाय बिजली विभाग के लाइनमैन को बुलाना सुरक्षित होता है।

श्राद्ध कर्म के दौरान बाप–बेटे और भतीजे समेत 5 की नदी में डूबने से मौत

झांसी (आभा)। जिले में मंगलवार को बाप–बेटे और भतीजे समेत 5 लोग सुखनई नदी में समा गए। एक की तलाश अभी भी जारी है। पितरों के पूजन के दौरान यह हादसा हुआ और चारों तरफ चीख–पुकार मच गई। करीब आधे घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद गोताखोरों ने सभी के शव बाहर निकाले। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में एक–एक कर सभी नदी में डूब गए। नदी से एक ही परिवार के 5 लोगों की लाशें बाहर आईं तो कोहराम मच गया।

यह दिल दहलाने वाला हादसा झांसी के कोतवाली मऊरानीपुर क्षेत्र के रानीपुर कस्बे का है। मिली जानकारी के अनुसार देवरी सिंहपुरा गांव के रहने वाले 48 वर्षीय अनूप तिवारी मंगलवार को श्राद्ध कर्म के लिए अपने 12 वर्षीय बेटे अर्पित तिवारी, 26 वर्षीय अभिनव तिवारी (पुत्र अजय तिवारी), 21 वर्षीय श्रेयांश तिवारी (पुत्र विनय तिवारी) तथा जालौन निवासी 23 वर्षीय पुष्कर शुक्ला (पुत्र संजीव शुक्ला) के साथ सुखनई नदी के किनारे पहुंचे थे। सभी पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे थे। इसी दौरान अनूप तिवारी अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए बेटा, भतीजे और अन्य परिजन नदी में उतरे, लेकिन एक–दूसरे को बचाने की कोशिश में कुछ ही पलों में सभी गहरे पानी में समा गए।

एक ही परिवार के पांच लोगों को नदी में डूबता देख आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और रो–रोकर बेहाल हो गए। सूचना पर उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर मनोज कुमार भारती, सीओ रत्नेश कुमार, कोतवाली प्रभारी मुकेश सोलंकी और रानीपुर चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गोताखोरों की मदद से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया गया। उपजिलाधिकारी मनोज कुमार भारती ने बताया कि पांचों के शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता से डिजिटल संसाधनों तक, प्रधानाध्यापकों की बैठक में मंथन

– विद्यालयों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें – विजय आनंद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को ब्रह्मदेव इंद्रमती त्रिपाठी महिला पीजी कॉलेज, थाना खास हर्रैया में प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक हुई। खंड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद के नेतृत्व में हुई बैठक में विद्यालयों में निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को हासिल करने के साथ शिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में निपुण भारत मिशन एवं गुणवत्ता शिक्षा संवर्धन को लेकर प्रधानाध्यापकों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। शिक्षण कार्य में संदर्शिका और टीएलएम के प्रभावी उपयोग तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए कैचअप शिक्षण को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया। बीईओ ने निपुण तालिका पर विद्यार्थियों की प्रगति का नियमित अंकन करने और निपुण प्लस एप के माध्यम से नियमित आकलन सुनिश्चित करने को कहा। विद्यालयों में विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति के साथ उनके समग्र विकास पर भी चर्चा हुई। समग्र प्रगति पत्र को अद्यतन रखने तथा प्री–प्राइमरी शिक्षा को निर्धारित गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। प्रधानाध्यापकों से कहा गया कि बच्चों की सीखने की क्षमता के अनुरूप शिक्षण गतिविधियों को व्यवस्थित किया जाए, जिससे कक्षा शिक्षण अधिक प्रभावी हो सके। बैठक में डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर भी विशेष जोर रहा। विद्यालयों में उपलब्ध आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी का नियमित एवं शैक्षिक उपयोग सुनिश्चित करने के साथ डिजिटल रजिस्टर को अद्यतन रखने पर चर्चा हुई। सामुदायिक सहभागिता बढ़ाकर अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों से जोड़ने पर भी बल दिया गया। इसके अलावा मध्यान भोजन योजना, ऑपरेशन कायाकल्प, बालिका शिक्षा, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी), समावेशी शिक्षा तथा विद्यालयों की वित्तीय प्रगति समेत विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। प्रधानाध्यापकों को योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एआरपी मनोज कुमार मिश्र, रवीश कुमार मिश्र, राजीव शुक्ल और काशीराम वर्मा, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राम सागर वर्मा एवं मंत्री राम पियारे सहित खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के स्टॉफ और ब्लॉक के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

जनता के सुख–दुख में सहभागी बनना राजनीति का मूल उद्देश्य–गणेश नारायण मिश्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र (308) से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रबल दावेदार गणेश नारायण मिश्रा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। पिछले कई महीनों से वे क्षेत्र के विभिन्न गांवों, बाजारों और प्रमुख स्थानों का लगातार दौरा कर आम लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान वे ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास कर रहे हैं।

गणेश नारायण मिश्रा 1992 से लगातार, पिछले 34 वर्षों से लंबे संघर्ष के साथ जनता के बीच बने हुए हैं। उन्होंने हमेशा पार्टी के प्रति निष्ठा और वफादारी दिखाते हुए संगठन के हर कार्य को मजबूती से आगे बढ़ाया है। जनसंपर्क के दौरान उन्हें जनता का भारी समर्थन और स्नेह मिल रहा है। क्षेत्र के लोग उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देख रहे हैं जो समस्याओं को केवल सुनते ही नहीं, बल्कि उनका तुरंत समाधान भी करते हैं। कप्तानगंज की जनता अब अपने बीच का एक समर्पित और स्थानीय जनप्रतिनिधि चाहती है, जो हर सुख–दुख में उनके साथ खड़ा रहे।

वरिष्ठ भाजपा नेता गणेश नारायण मिश्रा का कहना है कि उनके लिए राजनीति महज चुनाव लड़ने या सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं है। उनका उद्देश्य जनता के बीच लगातार मौजूद रहकर क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि जनता के सुख– दुख में सहभागी बनना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा रहना ही उनकी राजनीति की मूल भावना है।

उन्होंने कहा कि कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं, लेकिन इसके लिए जनप्रतिनिधि और जनता के बीच मजबूत संवाद तथा साझा प्रयास आवश्यक है। उनका लक्ष्य क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और विकास को गांव–गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यदि जनता का समर्थन और विश्वास मिला, तो कप्तानगंज क्षेत्र को विकास की नई दिशा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

जनसम्पर्क अभियान के दौरान वे विशेष रूप से युवाओं की समस्याओं पर चर्चा कर रहे हैं। उनका मानना है कि क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें रोजगार, बेहतर अवसर और कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, महिलाओं के सशक्तीकरण, छात्र–छात्राओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षा भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्र की बदहाल सड़कों और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका यह अभियान केवल एक राजनीतिक गतिविधि नहीं, बल्कि जनता से सीधा जुड़ाव स्थापित करने का जरिया है। आने वाले समय में इस अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा ताकि क्षेत्र के हर नागरिक तक पहुंचा जा सके।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने धरना देकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं शिक्षक पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से अखिल भारतीय राज्य पेन्शनर फेडरेशन एवं एसोसिएशन के प्रान्तीय कार्यकारिणी के निर्देश पर कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर 12 सूत्रीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को सम्बोधित मांग पत्र जिलाधिकारी द्वारा नामित उप जिलाधिकारी सदर को सौंपा। एसोसिएशन के जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुये प्रमुख मांगों पर सभी का ध्यान आकृष्ट कराया।

सौंपे ज्ञापन में पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग मे शामिल किये जाने, वेत आयोग की प्रक्रिया मे हो रहे अनावश्यक विलम्ब के दृष्टिगत पर्याप्त अंतरिम सहायता स्वीकृत किये जाने, कर्मचारियों, पेंशनरों, शिक्षकों के लिये अलग सीपीआई बनाये जाने, ओपीएस बहाल किये जाने, पेंशनरों के राशिकरण की कटौती 10 वर्ष पर बंद किये जाने, 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर प्रत्ये पांच वर्ष पर पांच प्रतिशत पेंशन की वृद्धि किये जाने, पेंशनरों को आयुष्मत किये जाने, कोरोना काल का 19 माह का एरियर भुगतान किये जाने, वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये मे 50 प्रतिशत की छूट किये जाने, कैशलेस उपचार का फण्ड 10 लाख किये जाने, मंहगाई भत्ता 50 प्रतिशत से अधिक होने पर उसे मूल वेतन या पेंशन मे मर्ज किये जाने तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिये आयोग का गठन किये जाने की मांगें प्रमुखता से उठाई गई।

माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष मारकण्डेय सिंह एवं सरक्षक मंडल के सदस्य प्रेम शंकर लाल श्रीवास्तव ने अध्यक्षता करते हुये कहा कि पेंशनरों को आठवे वेतन आयोग से बाहर किया जाना निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन हर स्तर का संघर्ष करने को तैयार है, कर्मचारियों एवं पेंशनरों का अहित कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा। इंजी. रामचन्द्र शुक्ल, नरेन्द्रदेव मिश्र, विश्वदेव दूबे एवं अशोक कुमार मिश्र ने कहा कि कर्मचारी एवं पेंशनर्स दया के पात्र नही है वे अपना हक मांग रहे हैं और इसके लिये निर्णायक संघर्ष को तैयार हैं।

सुनील कुमार पाण्डेय, श्रवण कुमार सिंह, चन्द्रप्रकाश पाण्डेय, भानुप्रताप सिंह ने कहा कि आठवें वेतन आयोग मे शामिल न करके सरकार ने कर्मचारियों व पेंशनरों के प्रति अपनी मंशा जाहिर कर दिया है। हम पूरी एकजुटता से सरकार की गलत नीतियों का दर्ज करायेंगे और अपना हक लेकर रहेंगे। धरना प्रदर्शन मे बेटे और बहू के साथ देहदान की घोषणा करने वाले सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी कुलभूषण अग्रहरि तथा हाल ही मे जिलाधिकारी द्वारा जेल विजिटर नियुक्त किये गये किशोरी लाल का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। वक्ताओं ने कुलभूषण अग्रहरि के साहसिक निर्णय की सराहना की। धरने मे बड़ी संख्या में सेवा निवृत्त कर्मचारी, पदाधिकारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक **भारतीय बस्ती**

बस्ती 30 सितम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

मतदाता सूची के यक्ष प्रश्न

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि शासन की दिशा तय करने और राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर भी होता है। इसलिए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए बेहद जरूरी है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस जिम्मेदारी का प्रमुख संस्थागत दायित्व चुनाव आयोग के पास है। मगर जब इस संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली ही संदेह के घेरे में आ जाए, तो उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आयोग के भीतर मतभेद और असहमति हाल ही में जिस रूप में सामने आई है, उसको लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भरोसे का संकट पैदा हो गया है।

विपक्ष इस मुद्दे पर हमलावर है और सत्तारूढ़ भाजपा बचाव की मुद्रा में है। मगर राजग के कुछ सहयोगी दलों के सुर अब अलग नजर आ रहे हैं। इस सब के बीच यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि चुनाव आयोग खुद आगे आकर तमाम सवालों के संतोषजनक जवाब क्यों नहीं दे पा रहा है! खबरों के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस माह में निर्वाचन आयोग के फैसलों पर चौदह बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं।

इनमें मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और फार्म–6 में बदलावों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि, यह पहली दफा नहीं है, जब आयोग के भीतर मतभेद सामने आए हैं, लेकिन इस बार असहमति का संबंध सीधे तौर पर मतदाताओं के अधिकार से जुड़ा है। यह विवाद ऐसे वक्त में उजागर हुआ है, जब विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से शनिवार को बयान जारी कर कहा गया कि एसआइआर से जुड़े सभी आदेश आम सहमति से जारी किए गए थे और मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फार्म–6 में किए गए बदलावों को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा है।

इससे पहले विपक्ष ने दावा किया था कि फार्म–6 में संशोधन करने की शक्ति सिर्फ केंद्र सरकार के पास है। ऐसे में सवाल यह भी है कि फिर चुनाव आयोग ने क्यों और किस शक्ति का इस्तेमाल करके फार्म–6 में संशोधन किया? मतदाताओं को इसका स्पष्ट जवाब अभी तक नहीं मिल पाया है।

चुनाव आयोग के पक्ष में खड़ी भाजपा का तर्क है कि विचार–विमर्श के दौरान निर्वाचन आयुक्तों की ओर से अलग–अलग राय व्यक्त करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। मगर यहां सवाल वैचारिक मतभेदों का नहीं, बल्कि नियम–कानूनों से जुड़े प्रावधानों का है। जब कोई निर्णय मतदान के अधिकार से संबंधित हो, तो क्या मतदाताओं को यह जानकारी नहीं होनी चाहिए कि इसकी जरूरत क्यों महसूस की गई?

पुनरीक्षण प्रक्रिया में पश्चिम बंगाल में जिस तरह से लाखों लोगों को मतदाता सूची से बाहर किया गया और अब अपीलों पर सुनवाई के दौरान नब्बे फीसद से अधिक मतदाताओं की सूची में बहाली भी कई सवाल खड़े करती है। देश भर में अब तक एसआइआर के तहत तेरह करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। अगर सभी राज्यों में मतदाताओं की बहाली का यही अनुपात रहे, तो क्या यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाएगा? लाखों की संख्या में जो पात्र मतदाता विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार से वंचित रह गए, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब चुनाव आयोग को ही देना होगा।

शिक्षा और मानसिक तनाव

शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि इसमें विद्यार्थी का सामाजिक, भावनात्मक, नैतिक और शारीरिक विकास भी शामिल है। मगर सवाल है कि देश की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में क्या इन मानदंडों को अपनाकर विद्यार्थी के चहुंमुखी विकास पर ध्यान दिया जाता है? क्या संस्थागत स्तर पर संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण के साथ हाशिये के तबकों के विद्यार्थियों की समस्याओं पर गौर किया जाता है? यह बेवजह नहीं है कि स्कूलों से लेकर उच्च संस्थानों तक में पढ़ाई, परीक्षा, करियर और भविष्य को लेकर बढ़ता दबाव और कुछ स्तर पर उपेक्षा कई विद्यार्थियों को मानसिक तनाव की ओर धकेल रहा है। इस कारण विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। इसी के मद्देनजर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हाल में उच्च शिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करने और आत्महत्याओं की घटनाओं की रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही विद्यार्थियों की आत्महत्या या अप्राकृतिक मौत की सूचना तत्काल पुलिस को देने और इसकी सालाना रिपोर्ट तैयार करने को भी कहा है।

इस मामले में उच्चतम न्यायालय की ओर से गठित राष्ट्रीय कार्यबल ने भी अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा था कि उच्च शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती समस्या के पीछे शैक्षणिक दबाव, जाति आधारित भेदभाव, आर्थिक तनाव, यौन उत्पीड़न और परीक्षा में विफलता जैसे कारण शामिल हैं। सवाल है कि क्या शिक्षण संस्थान महज अंकों की प्रतिस्पर्धा के केंद्र बनकर रह गए हैं!

क्या विद्यार्थियों की परेशानियों के समाधान को लेकर संस्थानों की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को हाशिये पर रखा जा रहा है? यही नहीं, आवासीय उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के शीर्ष अदालत के निर्देशों पर भी पूरी तरह अमल नहीं हो पा रहा है। यही वजह है कि शिक्षा मंत्रालय को परिपत्र के जरिए शिक्षा संस्थानों को इन निर्देशों की याद दिलानी पड़ी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में देश भर में तेरह हजार से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न कारणों से आत्महत्या की। इस तरह के मामलों में वर्ष 2014 से 2023 के बीच सत्तर फीसद से अधिक की वृद्धि हुई है। आइआइटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी यह समस्या गहराती जा रही है। हाल ही में आइआइटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या की घटना ने एक बार फिर इस मसले पर व्यापक चिंता और सुधार के तकाजों की जरूरत को रेखांकित किया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018 से 2023 के बीच देश के विभिन्न आइआइटी में 39 छात्रों ने आत्महत्या की। शीर्ष न्यायालय की ओर से गठित राष्ट्रीय कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आइआइटी में ज्यादातर शिक्षक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए खुद को पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं मानते, क्योंकि उन्हें उचित प्रशिक्षण नहीं मिला है। जाहिर है कि समस्या केवल संस्थानों की लापरवाही या जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी स्तर पर नीतिगत निर्णयों की अनुपस्थिति भी इसका एक प्रमुख कारण है। इसके अलावा, शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षक का काम केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण तैयार करना भी है।

मरीज के भरोसे के साथ सौदा करने की विडम्बना

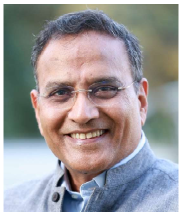

—इन्दुभूषण—

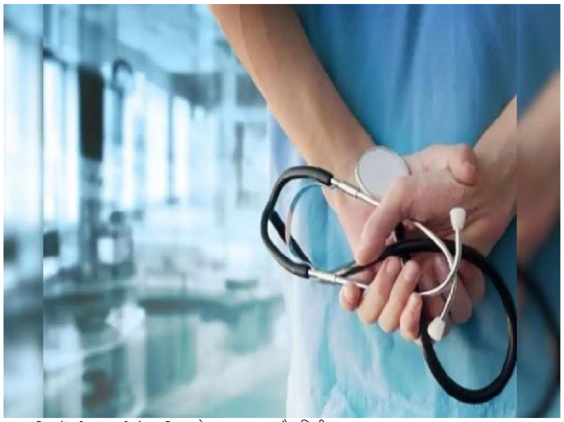

अस्पतालों को निवेश करने, नए इलाज और वाजिब मुनाफा कमाने की व्यापारिक आजादी होनी चाहिए। लेकिन इस आजादी का मतलब यह नहीं हो सकता कि आईसीयू बिस्तर पर पड़े मरीज का आर्थिक शोषण किया जाए। जैसे ही कोई मरीज अस्पताल में भर्ती होता है, व्यवसाय के मानक नियम पूरी तरह भंग हो जाते हैं। स्ट्रेचर पर लेटे घबराए मरीज के पास न तो इलाज के दाम की तुलना करने का समय होता है और न ही मोल–भाव करने की शक्ति। वे अनिश्चितता के असामान्य स्तर को स्वीकार कर लेते हैं, यह यकीन करते हुए कि जो इलाज सुझाया जा रहा है, वह जरूरी है और उसका दाम वाजिब है। जब अस्पताल इस मजबूरी का फायदा उठाकर बहुत ज्यादा मुनाफा कमाने लगें, तो यह उस भरोसे को बुरी तरह ध्वस्त करने जैसा है।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन का हालिया सर्वे इस समस्या की भयावहता को उजागर करता है। पड़ताल करने वालों ने पाया कि इंटरावेनस (आईवी) इन्फ्यूजन सेट की जो लागत अस्पताल को 11.05 रुपये पड़ती है, उसका दाम मरीज से 325 रुपये वसूला गयाकृयानी 2,841 प्रतिशत अधिक। 29.41 रुपये में खरीदे गए कैथेटर का अधिकतम खुदरा मूल्य 310 रुपये वसूला गया, जो 954 फीसदी अधिक है। कई तरह के आवश्यक मेडिकल सामानों पर कीमतें बहुधा 2,841 प्रतिशत तक ज्यादा पाई गईं। खाद्य एवं औषधि आयुक्त तुकाराम मुंडे ने डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स और नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को पत्र लिखकर केंद्रीय समीक्षा और स्पष्ट नियमों की मांग की है, ताकि खरीद दाम और घोषित अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच कितने अंतर की अनुमति हो, यह तय किया जा सके।

अस्पताल एक वैध वाणिज्यिक संस्था की श्रेणी में आते हैं। उनके लिए खरीद दाम, साफ–सुथरा भंडारण, पर्याप्त स्टॉक बनाए रखना और बर्बादी को लागत में जोड़ना एक जरूरत है, और वाजिब मुनाफा कमाने का हक भी है। लेकिन एक टिकाऊ व्यापारिक मुनाफे और मजबूर ग्राहक से ज्यादा पैसे उगाहने के बीच सीमारेखा स्पष्ट है। किसी भी अन्य उद्योग में ऐसा करने पर तुरंत 'विश्वास–भंग' का जुर्माना लग सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, जहां ग्राहक बीमार और डरा हुआ होता है तथा कहीं और तुरंत जा नहीं सकता, इसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता।

हालांकि, जहां अनाप–शनाप दाम वसूलना एक परिपाटी बन जाए, वहां नियामक परामर्श काफी नहीं होते। जो अस्पताल जान–बूझकर ज्यादा कीमत वसूलते हैं, उनके लिए अतिरिक्त लिया गया पैसा मरीजों को वापस लौटाना और भारी जुर्माना भरना अनिवार्य किया जाना चाहिए। बार–बार ऐसा करने वालों को दंड स्वरूप सरकारी स्वास्थ्य बीमा पैनल से बाहर करना और निजी भुगतान नेटवर्क से कुछ समय के लिए निलंबित या फिर स्थायी रूप से काली सूची में डाल देना चाहिए।

हालांकि, हमें कुछ मेडिकल सामानों पर वसूले जाने वाले बहुत ज्यादा मुनाफे को शेष सामान्य वस्तुओं पर भी लागू मानकर, एकमुश्त सख्त दाम नियंत्रक निजाम बनाने की गलती करने से बचना होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने हाल ही में आवश्यक मेडिकल प्रक्रियाओं पर 'कड़ी ऊपरी कीमत' तय करने, तमाम स्टैंडर्ड मेडिकल ऑपरेशनों के लिए पैकेज रेट तय करने और मेट्रो शहरों के अस्पतालों के कमरों का किराया आसपास के थ्री–स्टार होटलों के कमरों के किराए के बराबर करने के लिए एक कानूनी संस्था बनाने की सिफारिश की है। बेशक, समिति ने मरीजों की परेशानी को सही ढंग से समझा है, लेकिन उसके सुझाए गए उपायों से स्वास्थ्य तंत्र को भारी नुकसान पहुंचने का खतरा भी है।

आईवी सेट एक मानकीकृत औद्योगिक उत्पाद है, जबकि क्लीनिकल देखभाल वैसी नहीं है। एक ही बीमारी वाले दो मरीजों को उम्र, दिल की बीमारी के इतिहास या सर्जरी की जटिलता के आधार पर एकदम अलग इलाज की आवश्यकता हो सकती है। बीमारी के लिए विशिष्ट विशेषज्ञता वाले अस्पताल में कई घंटों तक चलने वाली जटिल कैंसर सर्जरी की कीमत को उसी तर्क से तय नहीं किया जा सकता, जिससे प्लास्टिक कैथेटर की कीमत तय की जाती है।

जब सरकारें सख्त और तयशुदा कीमतें लागू कर देंगी, तो दो चीजें होंगीरू अगर ऊपरी कीमत बहुत ज्यादा रख दी जाएगी, तो मरीजों को कोई खास बचत नहीं होगीय अगर यह सीमा बहुत कम रखी जाएगी, तो गुणवत्ता प्रभावित होगी। सेवा प्रदाता तब गुणवत्ता से समझौता करने लगेंगे, ज्यादा जोखिम वाले या जटिल मामलों को लेने से मना कर सकते हैं, छिपे हुए चार्ज जोड़ने लगेंगे या आधुनिक तकनीक में निवेश करना रोक देंगे।

आयुष्मान भारत (पीएम–जय) के लिए क्रय–ढांचा तैयार करने में कई साल बिताने के बाद, मैंने इस प्रक्रिया को करीब से देखा है। कागज पर कीमत की सीमा तय करना आसान है। यह सुनिश्चित करना कहीं ज्यादा मुश्किल है कि मरीज को उस कीमत पर वास्तव में अच्छी गुणवत्ता वाली, सुरक्षित और सही इलाज मिले। दामों पर एकमुश्त अंकुश लगाने के बजाय, भारत को एक विशेष पांच–सूत्रीय नियामक रणनीति की जरूरत है।

प्रथम, अस्पतालों द्वारा वसूली जाने वाली कीमतों में वास्तविक पारदर्शिता बनाना। प्रत्येक अस्पताल एक समान डिजिटल प्रारूप में इलाज के दाम की सूची प्रकाशित करे। पूर्व निर्धारित अस्पताल भर्ती के मामले में, मरीजों को कुल खर्च का एक अनुमान मिलना चाहिए, जिसमें व्यवसायिक फीस, जांच एवं परीक्षण, इलाज, दवाएं, उपकरण, इस्तेमाल होने वाली अन्य चीजें और कमरे का किराया शामिल हो। यदि अंतिम बिल अनुमान से काफी ज्यादा बने, तो अस्पताल को इसकी वजह बतानी चाहिए, सिवाय उन मामलों के जहां कोई अप्रत्याशित मेडिकल स्थिति पैदा हो जाए। पारदर्शिता खास तौर पर महंगी दवाओं, इम्प्लांट और इस्तेमाल होने वाली चीजों के मामले में होनी चाहिए।

द्वितीय, अनुचित मुनाफे को सही सिद्ध न कर पाने पर सख्ती से कदम उठाएं। स्टैंडर्ड दवाओं, उपकरणों और इस्तेमाल होने वाली चीजों के मामले में नियामकों को असामान्य कीमतों पर लगातार नजर रखनी चाहिए। प्रत्येक उत्पाद की अंतिम कीमत खुद तय करने की बजाय मुनाफे की तार्किक सीमा बांधना, संदर्भ मूल्य और व्यवस्थित कीमत निगरानी तंत्र ज्यादा सही तरीके हैं। लेकिन नियामक तंत्र असरदार होना चाहिए। जो अस्पताल बार–बार अनुचित चार्ज लगाते पाए जाएं, वहां जुर्माना इतना बड़ा होना चाहिए कि उनकी यह प्रवृत्ति बदल जाए। सरकारी फंड वाली योजनाओं या स्वास्थ्य बीमा नेटवर्क के तहत पैनल में शामिल होना फायदेमंद है। निरंतर गलत इस्तेमाल से यह सुविधा खतरे में पड़ सकती है।

तृतीय, सरकार और बीमा कंपनियां अपनी थोक क्रय शक्ति का अधिक असरदार ढंग से प्रयोग करें। ज्यादातर बहस इस बात पर होती है कि अस्पताल मरीजों से क्या चार्ज करें। हम इस बात पर बहुत कम ध्यान देते हैं कि अस्पताल और सरकारी खरीदार खुद दवाओं, डिवाइस और इम्प्लांट के लिए क्या कीमत चुकाते हैं।

थोक खरीद का अनुभव, टाटा मेमोरियल सेंटर बताता है कि बचत की कितनी बड़ी गुंजाइश रहती है। सरकारी योजनाएं करोड़ों लोगों की स्वास्थ्य देखभाल का खर्च उठाती हैं। इस विशाल क्रय शक्ति का फायदा बेहतर दाम पाने के लिए मोल–भाव करने में उठाया जाना चाहिए। चतुर्थ, न केवल दाम, बल्कि उपयोगिता को भी नियंत्रित करें। हर सेवा की कीमत होने से अधिक कमाई करने को प्रोत्साहन मिलता है। अधिक टेस्ट, अस्पताल में ज्यादा दिन प्रवास और अतिरिक्त प्रोसीजर से ज्यादा आमदनी होती है, चाहे उससे मरीज की सेहत में सुधार हो या न हो।

अगर मरीज को जरूरत ही न हो, तो 20 फीसदी छूट पर हुआ सीटी स्कैन भी बर्बादी ही है। सरकारी खरीदार और बीमा कंपनियों को असामान्य मामलों की पहचान करने के लिए क्लीनिकल पाथवे, मेडिकल ऑडिट और क्लेम एनालिटिक्स का इस्तेमाल करना चाहिएय मसलन, सिजेरियन सेक्शन से बच्चे पैदा करवाने की असामान्य रूप से उच्च दर, लंबे समय तक आईसीयू में रखना, जरूरत से ज्यादा टेस्ट, जांच या किसी खास प्रोसीजर का बार–बार उपयोग। गैर–जरूरी इलाज भी इलाज के बढ़े हुए खर्च का उतना ही बड़ा कारण है, जितना कि चीजों की ज्यादा कीमतें।

पंचम, गुणवत्ता को भी दाम की तरह ही साफ तौर पर दर्शाया जाना चाहिए। आज मरीजों को उन अस्पतालों के नतीजों के बारे में बहुत कम जानकारी होती है, जिन्हें वे चुनते हैं। समय–समय पर अस्पतालों को कुछ मानक पैमानों पर अपनी कार्यप्रणाली का लेखा–जोखा प्रदर्शित करना चाहिए, जैसे अस्पताल में इलाज के दौरान लगा संक्रमण, दोबारा भर्ती होने की दर, कुछ खास इलाज के परिणाम और मरीजों का अनुभव।

निःसंदेह, भारत अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत किए बिना निजी स्वास्थ्य तंत्र में कीमतों की समस्या को हल नहीं कर सकता। एक भरोसेमंद सरकारी विकल्प निजी खिलाड़ियों को सही राह पर रखता है। अस्पतालों को निवेश करने, नए इलाज और वाजिब मुनाफा कमाने की व्यापारिक आजादी होनी चाहिए। लेकिन इस आजादी का मतलब यह नहीं हो सकता कि आईसीयू बिस्तर पर पड़े मरीज का आर्थिक शोषण किया जाए।

बालेन्द्र शाह के संयुक्तराष्ट्र महासभा में भाषण के मायने

—डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र—

सामान्यतः संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिवेशन में जब विश्व के नेता बोलते हैं तो दुनिया की निगाहें बड़ी शक्तियों पर टिक जाती हैं। मसलन अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस जैसी शक्तियों की बात अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की दिशा, युद्ध और शांति के समीकरण तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य को प्रभावित करती है लेकिन कभी–कभी ऐसा भी होता है कि किसी छोटे देश की आवाज अचानक इतनी स्पष्ट और मानवीय हो जाती है कि बड़ी शक्तियों के शोर के बीच वही आवाज दूर तलक जाती है, जैसा इस बार संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में नेपाली प्रधानमन्त्री बालेन्द्र शाह के सम्बोधन में देखने को मिला। बालेन्द्र शाह के भाषण में क्षोभ भी था, गुहार भी थी और आने वाली सन्तति के लिए संदेश भी ।राजनीति

यह आवाज ऐसे समय में उठी है जब दुनिया पहले से ही युद्धों की छाया में है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों ने मानवीय त्रासदी को गहरा किया है और रूस–यूक्रेन युद्ध ने यूरोप से आगे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, खाद्य और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस अधिवेशन की पृष्ठभूमि में युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमानता और बहुपक्षीय व्यवस्था पर बढ़ता अविश्वास प्रमुख वैश्विक चिन्ताएँ हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी अपने अंतिम महासभा सम्बोधन में युद्धों, जलवायु परिवर्तन, असमानता और कमजोर होती वैश्विक व्यवस्था के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

बालेन्द्र शाह ने जलवायु परिवर्तन को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर वैश्विक राजनीति का प्रश्न बना दिया। वे न्यूयॉर्क में केवल नेपाल ही नहीं वरन हिमालय से एक चेतावनी लेकर पहुँचे थे, एक ऐसी चेतावनी, जिसमें हाल की प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों का दर्द था, अपने घर और खेत खो चुके परिवारों की विवशता थी और उस भविष्य की चिन्ता थी जिसमें विकासशील देशों को बार–बार अपने वर्तमान को बचाने के लिए अपने भविष्य से समझौता करना पड़ सकता है। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत ही असाधारण रूप से मार्मिक ढंग से की। उन्होंने कहा कि वे नेपाल से एक ऐसी चेतावनी लेकर आए हैं जो पूरी मानवता के लिए है। उन्होंने उस विनाश का उल्लेख किया जिसमें परिवार अपने प्रियजनों की प्रतीक्षा करते रह गए, समुदाय कीचड़, पत्थरों और पानी के बीच अपने लोगों को खोजते रहे तथा सड़कें, पुल, स्कूल, घर और आजीविका कुछ ही मिनटों में बह गए। पिछले महीने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ को उन्होंने केवल नेपाल की स्थानीय त्रासदी न मानकर पूरी दुनिया के लिए चेतावनी बताया।

शाह ने इसी तथ्य को उजागर करते हुए मार्मिक तरीके से कहा जलवायु परिवर्तन सीमाओं को नहीं पहचानता। ग्लेशियर और बाढ़ पासपोर्ट पर वीजा लगाकर यात्रा नहीं करते। इस बात को समझना भारत के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। हिमालय भारत की जल, कृषि और ऊर्जा सुरक्षा से गहराई से जुड़ा हुआ है। नेपाल में आने वाली बड़ी आपदा का प्रभाव सीमा के इस पार भी महसूस किया जा सकता है। इसलिए नेपाल का जलवायु संकट केवल नेपाल का राष्ट्रीय प्रश्न नहीं है। वह दक्षिण एशिया की साझा सुरक्षा का प्रश्न है। उन्होंने दुनिया से पूछा कि जब अन्तरमहाद्वीपीय मिसाइलें समय पर पहुँच सकती हैं, राइफल और गोला–बारूद सीमाओं की तमाम बाधाओं को पार करके निर्धारित समय पर पहुँच सकते हैं तो नेपाल का किसान जरूरत के समय खाद और ईंधन क्यों नहीं प्राप्त कर सकता?

आगे उन्होंने यह भी कहा कि हमने युद्ध के लिए लगभग त्रुटिहीन आपूर्ति–व्यवस्था वाली दुनिया बना दी है लेकिन भोजन के लिए हमारी आपूर्ति–व्यवस्था टूटी हुई है। यह वाक्य केवल भावनात्मक नहीं है। इसके भीतर वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर गम्भीर प्रश्न छिपा है। दुनिया ने हथियारों, ऊर्जा, पूँजी और तकनीक को तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिए अत्यन्त विकसित तंत्र बनाया है लेकिन जब बात किसान के खेत तक खाद पहुँचाने, गरीब परिवार तक ईंधन पहुँचाने या आपदा प्रभावित समुदाय तक समय पर सहायता पहुँचाने की आती है, तो वही व्यवस्था अनेक बाधाओं से घिर जाती है ।इतिहास

शाह के भाषण का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की पारम्परिक अवधारणा से आगे बढ़कर मानव सुरक्षा पर जोर दिया। भोजन, पानी, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यावरण और आजीविका भी सुरक्षा के महत्त्वपूर्ण आयाम हैं। उनके विचारों में सुरक्षा केवल राज्य की सीमाओं और सैन्य शक्ति की रक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ी है। 'जलवायु न्याय' भी महत्त्वपूर्ण पक्षहै। नेपाल का वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान 0.1 प्रतिशत से भी कम है, फिर भी वह ग्लेशियरों के पिघलने, भूस्खलन और अनिश्चित जल–प्रवाह जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। इससे विकास की गति भी प्रभावित होती है।

नशे के जाल से बचें युवा

— डॉ. प्रियंका सौरभ—

सेलिब्रिटी और सार्वजनिक व्यक्तित्व समाज में एक विशेष प्रभाव रखते हैं। उनके शब्दों, व्यवहार और जीवनशैली को मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से लोगों तक पहुँचाया जाता है, जिससे वे विशेषकर युवाओं के लिए प्रभावशाली आदर्श बन जाते हैं। यह लोकप्रियता केवल अवसर ही नहीं देती, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी पैदा करती है। नशे की लत आज स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समरसता के लिए गंभीर चुनौती है। सामाजिक प्रभाव का अर्थ दूसरों के विचारों, दृष्टिकोण और व्यवहार को प्रभावित करने की क्षमता से है। फिल्म कलाकारों, खिलाड़ियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, अधिकारियों और अन्य सार्वजनिक व्यक्तित्वों का प्रभाव मनोरंजन या प्रशासन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि तब नैतिक जिम्मेदारी का रूप ले लेता है, जब वह नशीले पदार्थों के सेवन जैसे जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों पर असर डालता है। जब सार्वजनिक व्यक्तित्व गीतों, फिल्मों, सोशल मीडिया पोस्ट या व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से नशे को सामान्य या आकर्षक रूप में प्रस्तुत करते हैं, तो इससे युवाओं में यह संदेश जा सकता है कि नशा स्वीकार्य, आधुनिक या सफलता का आसान रास्ता है। इसके विपरीत, जब वे नशामुक्त जीवनशैली को अपनाते हैं, नशे के खिलाफ बोलते हैं और पुनर्वास का समर्थन करते हैं, तो वे नशे को मना करना सामाजिक रूप से सम्मानजनक विकल्प बनाने में मदद कर सकते हैं।

युवा अक्सर उन्हीं लोगों का अनुकरण करते हैं, जिन्हें वे अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे खिलाड़ी जो फिटनेस, अनुशासन और नशामुक्त जीवनशैली पर जोर देते हैं, वे युवाओं के सामने तत्काल आनंद और नशे की संस्कृति का एक सकारात्मक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। जब खिलाड़ी, फिटनेस इन्फ्लुएंसर और सेलिब्रिटी खुले तौर पर नशे को अस्वीकार करते हैं, तो स्वस्थ जीवनशैली युवाओं के लिए आकर्षक बनती है। नशामुक्ति से जुड़े विभिन्न अभियानों में फिल्म कलाकारों और खेल जगत की हस्तियों की भागीदारी ने युवाओं को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवन चुनने का संदेश दिया है। ऐसे संदेश इसलिए प्रभावशाली हो सकते हैं क्योंकि वे उन व्यक्तियों की ओर से आते हैं, जिन्हें युवा पहले से पसंद और सम्मान करते हैं। सेलिब्रिटी इस धारणा को भी चुनौती दे सकते हैं कि "हर कोई नशा करता है" या नशा केवल युवावस्था का सामान्य अनुभव है। नशामुक्त भारत अभियान जैसे प्रयासों से जुड़कर सार्वजनिक व्यक्तित्व नशे को जीवनशैली के बजाय एक गंभीर स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती के रूप में देखने की समझ विकसित करने में योगदान दे सकते हैं। कई सार्वजनिक अभियानों में परिवार के भीतर खुलकर बातचीत करने और नशे से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाने पर भी जोर दिया गया है।

साथियों का दबाव अक्सर युवाओं को नशे के प्रयोग की ओर धकेलता है। जब लोकप्रिय व्यक्तित्व अपने मंचों के माध्यम से नशामुक्त जीवन को प्रोत्साहित करते हैं, तो वे सामाजिक सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे सकते हैं। सोशल मीडिया अभियान, डिजिटल शपथ, जागरूकता कार्यक्रम और युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों को सेलिब्रिटी समर्थन मिलने से नशामुक्ति एक सामूहिक सामाजिक संदेश बन सकती है। प्रभावशाली नेतृत्व के साथ संचालित योजनाबद्ध अभियानों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ा जा सकता है। नशे की समस्या अक्सर चुप्पी और शर्म के कारण और गंभीर हो जाती है। सार्वजनिक व्यक्तित्व जब अपने या दूसरों के नशामुक्ति के अनुभवों के बारे में खुलकर बात करते हैं, तो वे नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को केवल दोषी या अपराधी मानने के बजाय सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखने की सोच विकसित कर सकते हैं। इससे सामाजिक कलंक कम हो सकता है और परिवार प्रभावित व्यक्ति को समय रहते उपचार दिलाने के लिए आगे आ सकते हैं। रैलियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विशेषज्ञों की चर्चाओं और जागरूकता अभियानों को एक साथ जोड़ने वाले प्रयास नशे की रोकथाम और पुनर्वास को सामुदायिक जिम्मेदारी बनाने में मदद कर सकते हैं।

हालाँकि केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, उसे ठोस और निरंतर कार्रवाई में बदलना भी आवश्यक है। प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नेतृत्व सेलिब्रिटी प्रभाव का उपयोग दीर्घकालिक नशामुक्ति अभियानों के निर्माण में कर सकते हैं।

नारायणी नदी की ड्रेजिंग और चैनलाइजेशन होगा –सीएम योगी

संवाददाता–कुशीनगर। नेपाल से अधिक पानी आने के चलते कुशीनगर जिले में सोमवार देर रात जवहीं दयाल (चैनपट्टी) के ततवा टोला के पास नारायणी नदी के एपी तटबंध का कुछ हिस्सा टूटने के बाद स्थिति का जायजा लेने और पानी से घिरे गांवों के प्रभावितों की मदद के लिए मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को खुद ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, लंच पैकेट और राहत सामग्री का वितरण किया और सबको आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ मुस्तैदी से खड़ी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जलशक्ति मंत्री और सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देशित किया कि स्थिति सामान्य होने के बाद नारायणी नदी की ड्रेजिंग और चौनलाइजेशन का कार्य कराया जाए ताकि तटबंध और इसके आसपास के गांव सुरक्षित रहें। आगे से इलाके में कोई बाढ़ से प्रभावित न हो।

सोमवार रात तटबंध टूटने की जानकारी होने के बाद से ही सीएम योगी, हालात पर नजर बनाए रखने के साथ ही अधिकारियों को दिशानिर्देश देते रहे। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा समाप्त होते ही खुद मौके पर आ गए। उन्होंने हवाई सर्वेक्षण कर तटबंध और इसके कुछ हिस्से के टूटने से प्रभावित हुए क्षेत्रों का जायजा लिया। तटबंध के गांवों में जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की। ऊंचे स्थानों पर शरण लिए ग्रामीणों के बीच जाकर उन्होंने लंच पैकेट और बच्चों को चॉकलेट वितरित किए। इसके बाद वह सेवरही क्षेत्र के इंटर कॉलेज बेदुपार पहुंचे और बाढ़ प्रभावित लोगों का दुख दर्द साझा करते हुए राहत सामग्री का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ हैं।

राहत सामग्री का वितरण करते समय मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार दिनों मूसलाधार बारिश के बाद प्रदेश और देश के विभिन्न क्षेत्रों में त्रासदी का सामना करना पड़ा है। जैसे–तैसे चार दिन व्यतीत हुए लेकिन नेपाल में अतिवृष्टि होने से भारी पैमाने पर जल नीचे आ गया। सामान्य दिनों में तीन से चार लाख क्यूसेक पानी नारायणी में आता है लेकिन कल अचानक यह साढ़े पांच लाख क्यूसेक पानी आ गया। इसके कारण एपी तटबंध से सटे कई गांवों में पानी आ गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी जानकारी होते ही तत्काल ही बचाव और राहत कार्य बड़े पैमाने पर शुरू कर दिए गए। यहां एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की दो–दो टीमों के साथ ही पीएसी की फ्लड यूनिट को भी लगाया गया है। प्रशासन और सिंचाई विभाग के अधिकारी कल से ही राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी रात में ही यहां आ गए। इसके साथ ही सांसद देवरिया शशांक मणि त्रिपाठी, सांसद कुशीनगर विजय दूबे, विधायक डॉ असीम कुमार और सुरेंद्र कुशवाहा भी लगातार सहयोग करने में जुटे हुए हैं।

सेवा सेतु शिविर में 15 लोगों ने लिया अंगदान का संकल्प

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा की ओर से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को सदर ब्लाक परिसर में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों और सूचना विभाग की विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा आमजन को उपलब्ध कराए जा रहे लाभों की जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ के बारे में भी जाना। लाभार्थियों में स्वीकृति पत्र व प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान 15 लोगों ने अंगदान का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होना देश के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा को केवल कार्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय जनसरोकार और जनभागीदारी से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का प्रयास है कि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री आवास योजना, पंचायत कल्याण कोष, सीएम युवा, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, ओडीओपी, एनआरएलएम तथा पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने दो बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। ब्लाक परिसर में प्रेरणा कैंटीन का शुभारंभ भी किया।शिविर में आंगनबाड़ी, कृषि, स्वास्थ्य समेत विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाए। ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन किया गया। सूचना विभाग की विकास प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, पूर्व विधायक फरेंदा बजरंग बहादुर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शिवम कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

दूल्हा घर में धधकी आग, लाखों का कपड़ा जलकर राख

संवाददाता–महराजगंज। जिला पंचायत की दुकान में मंगलवार सुबह अचानक आग धधक उठी। अमरूतिया निवासी धर्मेंद्र कसौधन की दूल्हा घर नाम की कपड़े की दुकान में आग लगते ही अंदर रखा कपड़ा धू–धूकर जलने लगा। आग व धुएं के बीच दुकान बचाने की कोशिश कर रहा दुकानदार बार–बार बेहोश होकर गिरता रहा। आग में लाखों रुपये का कपड़ा व अन्य सामान जलकर राख होने की बात सामने आई है। घटना सुबह करीब 7रू30 बजे की है। दुकान से धुआं उठता देख सभासद सदरे आलम ने तत्काल दुकान मालिक व फायर स्टेशन को सूचना दी। करीब दस मिनट में दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को आसपास की दुकानों तक फैलने से रोक लिया गया।

जिला पंचायत की दुकान कन्हैया ने करीब एक माह पहले धर्मेंद्र कसौधन को किराए पर दी थी। धर्मेंद्र ने यहां दूल्हा घर के नाम से कपड़ों का कारोबार शुरू किया था। आग की सूचना पर नगर चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। सीओ ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति की जानकारी ली। आग की चपेट में आने से दुकान में रखा कपड़ा व अन्य सामान काफी हद तक जल गया। दुकानदार के अनुसार आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

बाइक सवार ग्राम प्रधान की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता–देवरिया। शहर के चटनी गढ़ही के समीप मंगलवार की दोपहर ग्राम प्रशासक (ग्राम प्रधान) की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रशासक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार के साथ ही गांव में भी मातम छा गया। कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। उधर पोस्टमार्टम हाउस पहुंच सपा, भाजपा समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने घटना की जानकारी ली और घटना पर दुख जताया। सदर कोतवाली के बसडीला के रहने वाले शेषनाथ यादव (45) गांव के प्रशासक थे। दोपहर को वह अपनी बाइक से ब्लाक मुख्यालय के लिए निकले थे। अभी वह चटनी गढ़ही के समीप पहुंचे थे कि चार पहिया वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों के सहयोग से उन्हें उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना गांव पहुंचते ही परिवार के साथ ही मोहल्ले में भी मातम छा गया। परिवार के लोग दहाड़ मारकर रोने लगे। परिवार के लोगों को रोता देख वहां मौजूद अन्य लोगों की भी आंखें भर आई। लोगों का कहना था कि वह बहुत ही मिलनसार थे और लोगों से बहुत अच्छा व्यवहार करते थे। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे लोग भी उनके शव को देखते ही फफक पड़े।

ग्राम प्रशासक खोराराम की तरफ से अपनी बाइक से आ रहे थे, अभी वह चटनी गढ़ही के समीप पहुंचे थे, इस बीच एक चार पहिया वाहन सवार लोग आए और पान खाने वाले एक व्यक्ति ने थूकने के लिए फाटक झटके से खोल दिया। जिससे बाइक सवार प्रशासक शेषनाथ यादव के सिर पर फाटक लग गया और वह वहीं पर गिर गए। वाहन सवार लोग ही उन्हें उपचार के लिए सबसे पहले मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वाहन सवार लोग वहां से खिसक गए। लोगों का कहना था कि लगातार पुलिस जागरूकता कार्यक्रम भी चला रही है, लेकिन इसका किसी पर असर नहीं पड़ रहा है। अगर वाहन सवार अगर देख कर फाटक खोला होता तो प्रशासक की जान नहीं गई होती।

ग्राम प्रशासक की मौत की सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ ही विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रशासक के साथ ही विभिन्न दलों के नेता भी पहुंच गए। पोस्टमार्टम पहुंच घटना की जानकारी ली। इस दौरान भाजपा नेता नीरज शाही, विजय प्रताप मणि डब्लू, सपा नेता चौधरी बेचूलाल, अनिल यादव, अंबिका यादव समेत अन्य नेता भी पहुंचे और घटना पर दुख व्यक्त किया।

सर्पदंश से महिला की मौत

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सौराहा के पिपरहना टोले में मंगलवार की सुबह जहरीले सांप के काटने से एक महिला नंदनी पत्नी हरिश्चन्द की मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर है।जानकारी के अनुसार सुबह करीब साढ़े छह बजे नंदनी चूल्हा जलाने के लिए घर के छज्जे पर रखी लकड़ी उतार रही थी। इसी दौरान लकड़ियों के बीच छिपे जहरीले सांप ने उसके हाथ में काट लिया। सर्पदंश के बाद परिजन आनन–फानन में उसे जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नंदनी के दो छोटे बच्चे हैं, जिनकी उम्र करीब आठ और छह वर्ष है। मां की मौत से दोनों बच्चों के सिर से ममता का साया उठ गया। पति हरिश्चन्द रोजी–रोटी के सिलसिले में बाहर रहकर कमाता है। परिजनों के मुताबिक करीब एक माह पहले ही हरिश्चन्द की बहन की करंट लगने से मौत हुई थी। अब पत्नी की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रधान–प्रशासक दिलीप गुप्ता सहित अन्य ग्रामीणों ने नंदनी की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया।

पुलिस ने बुलेट सवार को किडनैपर्स के चंगुल से छुड़ाया

संवाददाता–देवरिया। जिले में जिस बुलेट सवार को कल दिनदहाड़े कार सवार किडनैपर्स ने पिस्टल दिखाकर किडनैप कर लिया था उसे किडनैपर्स के चंगुल से छुड़ा लिया गया है। पुलिस युवक से किडनैपर्स और उसके साथ हुई वारदात के बारे में जानकारी ले रही है। वहीं इस मामले में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे भी पूछताछ चल रही है। सोमवार को इस वारदात से देवरिया पुलिस में हड़कंप मच गया था। युवक के बरामद होने से पुलिस ने राहत की सांस ली है। घटना, देवरिया जिले के महुआडीह थाना क्षेत्र के बलटिकरा चौराहे के पास की है। सोमवार की दोपहर इस वारदात को अंजाम दिया गया। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के पिपरा मदन गोपाल का रहने वाला आयुष सिंह पुत्र राजेश सिंह बुलेट बाइक से सोमवार की दोपहर बाद बलटिकरा चौराहे पर आया था। अभी वह एक मॉल के पास पहुंचा ही था कि अचानक एक लग्जरी कार आकर रुकी और अभी आयुष कुछ समझता, उसके पहले ही उसे पिस्टल दिखाकर अपनी गाड़ी में कार सवारों ने खींच लिया। इसके बाद देवरिया की तरफ लेकर जाने लगे। इतना ही नहीं, उसका मोबाइल

भी छीन कर वहीं कार सवारों ने फेंक दिया। दिन–दहाड़े युवक का अपहरण होता देख लोग दहशत में आ गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सीओ सिटी के नेतृत्व में चार टीमों का गठन किया गया और देर रात पुलिस ने कई थाना क्षेत्र में छापेमारी की। देर रात पुलिस ने अपहृत युवक को बरामद कर लिया। हालांकि अभी कितने लोग इस प्रकरण में शामिल हैं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। एएसपी आनंद कुमार पांडेय ने बताया कि युवक को बरामद कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अपहृत युवक पर क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की जालसाजी का आरोप लग चुका है। कुछ महीने पहले देवरिया की कोतवाली पुलिस पर उसे छोड़ने का आरोप लगा था। दीवान को निलंबन भी झेलना पड़ा था। देवरिया पुलिस उसकी आय से अधिक संपत्ति की जांच के लिए ईडी को पत्र लिख चुकी है। इसलिए पुलिस इस प्रकरण के पीछे रुपये के लेनदेन को ही कारण मान रही है।

युवक के अपहरण के मामले में मुकदमा दर्ज कर युवक की तलाश के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई थीं। पुलिस घटना के तुरंत बाद ऐक्शन में आ गई थी। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को किडनैपर्स के चंगुल से छुड़ा लिया।

लोक कल्याण और राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित रहे महंत दिग्विजयनाथ

संवाददाता–महराजगंज। गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय, दिग्विजयनाथ इंटरमीडिएट कॉलेज एवं दिग्विजयनाथ बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज की 57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 12वीं पुण्यतिथि समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने दोनों संतों के शिक्षा, सामाजिक समरसता, लोक कल्याण और राष्ट्रधर्म के क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि हनुमानगढ़ी अयोध्या धाम के महंत राजू दास ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ महाराज की पहचान उनकी बौद्धिक क्षमता, व्यावहारिक दृष्टिकोण और सामाजिक समरसता के लिए रही। उन्होंने अपने आदर्श महंत दिग्विजयनाथ के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। उनका जीवन समाज के लिए समर्पित रहा और उनके कार्य अनुकरणीय हैं। मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के आचार्य प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ का जीवन लोक कल्याण, शिक्षा और राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सामाजिक उन्नयन और शैक्षिक विकास के साथ राष्ट्रधर्म के माध्यम से लोक कल्याण का कार्य किया। शिक्षा में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने के लिए भी उन्होंने महत्वपूर्ण प्रयास किए।विशिष्ट अतिथि शृंगेरी मठ, दक्षिण भारत कर्नाटक के प्रो. कमलनाथ महाराज ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ ने गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र में शिक्षा की जो ज्योति जलाई, उससे आज पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रकाशित हो रहा है। विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष राज दीपक त्रिपाठी ने दोनों ब्रह्मलीन महाराज के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। अध्यक्षीय संबोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ सदस्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने महंत जी के शिक्षा क्षेत्र में किए गए प्रयासों की चर्चा की। दिग्विजयनाथ बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या सपना सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। दिग्विजयनाथ इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. हरिन्द्र यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित की। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामपाल यादव ने आभार जताया। संचालन विनोद कुमार विमल ने किया।

टूटा एपी बांधः गांवों में घुसा पानी, 30 से अधिक गांव बाढ़ से हो सकते हैं प्रभावित, खाली कराए गए

संवाददाता–कुशीनगर। सोमवार देर रात नारायणी का कहर टूटा। पानी का डिस्चार्ज बढ़ने से सेवरही क्षेत्र के जवहीं दयाल गांव के ततवा टोली के सामने सोमवार की देर रात करीब साढ़े दस बजे बड़ी गंडक नदी के तेज दबाव से एपी तटबंध का करीब 20 फुट हिस्सा टूट गया। तटबंध टूटते ही नदी का पानी तेजी से आसपास के गांवों की ओर फैलने लगा। इससे छह से अधिक गांवों की करीब 20 हजार की आबादी बाढ़ से प्रभावित हो गई। जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देर रात ही सक्रिय हो गए। उनके निर्देश पर स्थानीय प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन से जुड़ी टीमें राहत–बचाव कार्य में जुट गईं। बड़ी गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच एपी बांध पर रविवार रात से सोमवार तक लगातार खतरा बना रहा। जवही के गौरहा गांव के सामने तटबंध में रिसाव शुरू होने के बाद प्रशासन, बाढ़ खंड और ग्रामीणों ने रविवार रातभर बचाव अभियान चलाया। जियोबैग और बोल्डर डालकर रिसाव रोकने का प्रयास किया गया। सुबह बिरवट के पास बांध पर कटान का दबाव दिखा तो अफरातफरी मच गई। फिर रात करीब 10रू30 बजे तटबंध टूटने से गौरहा, सिसवा, बाघाचौर, बाकखास, चौनपट्टी, आवपुर और भगवानपुर समेत कई गांव प्रभावित हुए हैं। ग्रामीणों में अफरा–तफरी की स्थिति है। बाढ़ खंड की टीम तटबंध के कमजोर हिस्सों पर बचाव कार्य में जुटी है, ताकि नदी का दबाव बढ़ने पर और कटान न हो। बांध टूटने की सूचना पर मुख्यमंत्री ने देर रात ही गोरखपुर के आयुक्त, एडीजी, कुशीनगर के जिलाधिकारी आदि से संपूर्ण जानकारी हासिल की। उन्होंने तत्काल राहत–बचाव कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के निर्देश दिए। आपदा से जुड़ी टीम, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ आदि को भी मोर्चा संभालने का निर्देश देते हुए व्यापक स्तर पर बचाव कार्य करने को कहा। उसके बाद बाढ़ खंड के अधिकारी और कर्मचारी समेत अन्य टीमें मौके पर पहुंचकर तटबंध के बचे हिस्से को सुरक्षित करने और राहत कार्य में जुट गईं। गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच एपी तटबंध पर कई जगह सीपेज सामने आने से तटवर्ती गांवों में चिंता बढ़ गई है। चौनपट्टी से बिरवट कोन्हवलिया तक करीब पांच–छह स्थानों पर पानी रिसने की सूचना से बाढ़ खंड और प्रशासन सतर्क हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ तटबंध पर पानी का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में कई स्थानों पर सीपेज होने से गांवों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने तटबंध की नियमित निगरानी के साथ कमजोर स्थानों पर तत्काल बचाव कार्य कराने की मांग की। तटबंध टूटने की जानकारी के बाद जिला प्रशासन ने निगरानी और बचाव कार्य बढ़ा दिया है। देर रात डीएम संजय चौहान ने अधिकारियों को तटबंध के टूटे और कमजोर हिस्सों पर लगातार नजर रखने तथा बचाव कार्य में पूरी ताकत लगाने के निर्देश दिए हैं। डीएम के निर्देश पर प्रशासन और बाढ़ खंड की टीमें मौके पर कैंप कर रही हैं। टूटे हिस्से को नियंत्रित करने के साथ तटबंध के बचे हिस्से को सुरक्षित रखने के लिए जियोबैग और बोल्डर लगाने का काम जारी है। एपी बांध का किमी 3.500 से 5.500 तक का हिस्सा पहले से संवेदनशील बताया जा रहा था। प्रशासन की चुनौती अब टूटे हिस्से से पानी के फैलाव को नियंत्रित करने के साथ अन्य कमजोर स्थानों को बचाने की है। समय रहते प्रभावी मरम्मत और बचाव कार्य नहीं हुआ तो बाढ़ का पानी और गांवों तक पहुंचने की आशंका है।

घाघरा का रौद्र रूप, एल्गिन ब्रिज पर खतरे के निशान से 70 सेमी ऊपर पानी

संवाददाता–गोण्डा। नेपाल की तराई और पहाड़ी जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही भारी मॉनसूनी बारिश के चलते घाघरा नदी का रुख बेहद आक्रामक हो गया है। केंद्रीय जल आयोग और सिंचाई विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बाराबंकी के एल्गिन ब्रिज और अयोध्या दोनों ही महत्वपूर्ण स्थानों पर खतरे के निशान को पार कर गई है। एल्गिन ब्रिज पर नदी का जलस्तर खतरे के लाल निशान से 70 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है। इसके साथ ही विभिन्न बैराजों से 3 लाख 68 हजार क्यूसेक से अधिक पानी का भारी डिस्चार्ज नीचे की ओर प्रवाहित होने से दर्जनों तटीय गांवों में बाढ़ की दहशत चरम पर पहुंच गई है। करनैलगंज तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नकहरा के नौ मजरे पूरी तरह बाढ़ के पानी से घिर गए हैं और हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। एल्गिन ब्रिज पर मंगलवार सुबह आठ बजे जलस्तर 106.770 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान 106.070 मीटर से 0.70 मीटर अधिक है। यहां उच्चतम बाढ़ स्तर 107.616 मीटर है और जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी का ट्रेंड बना हुआ है। वहीं अयोध्या धाम में नदी का जलस्तर 92.970 मीटर पर पहुंच गया है जो खतरे के निशान 92.730 मीटर से चौबीस सेंटीमीटर अधिक है। अयोध्या का उच्चतम बाढ़ स्तर 94.010 मीटर है और वहां भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न बैराजों से कुल 368589 क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा गया है जिसमें शारदा बैराज से 177133 क्यूसेक और गिरिजा बैराज से 164038 क्यूसेक शामिल है। इसके अलावा सुहेली बैराज से 19120 क्यूसेक और सरयू बैराज से 8298 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। हालांकि राहत की एकमात्र बात यह है कि बैराजों से पानी छोड़े जाने की दर में कमी का रुझान देखा जा रहा है।

नदी के उफान से सबसे भीषण मार गोंडा जिले के ग्राम पंचायत नकहरा पर पड़ी है। नकहरा मुख्य गांव के मजरे देवकिसुनपुरवा, झंगूलालपुरवा, दुलारेपुरवा, संभरपुरवा, बंसतलालपुरवा, मछारनपुरवा, तीरथरामपुरवा, पुहिलपुरवा और राधेपुरवा पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। घरों और आंगनों में कमर तक पानी भर जाने के कारण सैकड़ों परिवार छतों और ऊंचे स्थानों पर तिरपाल डालकर रहने को विवश हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि भीषण आपदा के बावजूद तहसील प्रशासन की ओर से अब तक कोई मदद नहीं पहुंचाई गई है। पीड़ितों को सुरक्षित निकालने के लिए न तो सरकारी नावों की कोई व्यवस्था की गई है और न ही लंच पैकेट या सूखा राशन वितरित किया गया है। बेघर परिवारों के सामने भूख और प्यास का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

स्कूल वैन पानी वाले धान के खेत में पलटी, 17 मासूम चोटिल

संवाददाता–कुशीनगर। सेवरही विकास खंड क्षेत्र में मंगलवार को सुबह 08 बजे एक निजी विद्यालय की वैन अनियंत्रित होकर पानी भरे धान के खेत में पलट गई। वैन में सवार 17 मासूम बच्चों में चीख–पुकार मच गई। इससे लोगों में अफरा–तफरी मच गई। गनीमत रही कि कुछ ही दूरी पर मछली मार रहे लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वैन के फाटक का शीशा तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।बताया जाता है कि हादसे में कई बच्चों के मुंह में पानी भर गया था। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजन अपने बच्चों को आसपास के निजी चिकित्सालयों में इलाज के लिए ले गए। मौके पर पहुंची तरयासुजान पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से वैन को खेत से बाहर निकलवाया। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल वैन चालक पिछले तीन दिन से दोमाठ फील्ड में गाड़ी चलाना सीख रहा था और चौथे दिन स्कूल संचालक ने 17 मासूमों से भरी वैन को लेकर जा रहा था। आरोप है कि चालक ने कान में ईयरफोन लगा रखा था। वैन पलटते ही चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मौके पर मछली मार रहे लोग न होते तो बच्चों की जान पर बन आती। ग्रामीणों ने स्कूल संचालक के खिलाफ कार्रवाई और स्कूली वाहनों की जांच की मांग की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सुनी समस्या, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को महराजगंज स्थित अपने कैंप कार्यालय पर जनसुनवाई की। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याएं उनके सामने रखीं।

पंकज चौधरी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों में मौके से ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सड़क, बिजली, राजस्व, भूमि विवाद, पुलिस, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें लेकर लोग पहुंचे। फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र भी सौंपे। प्रदेश अध्यक्ष ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। शिकायतों की केवल औपचारिकता पूरी करने के बजाय मौके पर जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर कार्रवाई की जाए। पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। जनसुनवाई के दौरान कई फरियादियों ने स्थानीय स्तर पर अधिकारियों के कार्यालयों में शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने की बात भी रखी। ऐसे मामलों में पंकज चौधरी ने संबंधित अधिकारियों से सीधे जानकारी लेते हुए शिकायतों का निस्तारण कराने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि किसी मामले में नियम या तकनीकी कारण से तत्काल समाधान संभव नहीं है तो फरियादी को उसकी वास्तविक स्थिति और प्रक्रिया की जानकारी दी जानी चाहिए। कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से ही आम लोगों की समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। अधिकारियों को आम जनता के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनके स्तर से संबंधित समस्याओं को लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों से समन्वय किया जाएगा।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, संतोष सिंह, बबलू यादव, बबलू सिंह, दिनेश जायसवाल, बैजनाथ पटेल, रमेश वर्मा, आकाश श्रीवास्तव, आकाश गुप्ता और गोविंद जायसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सनातन धर्म की एकता में ही समाज की सुरक्षा, बंटेंगे तो दुर्गति होगी –सीएम योगी

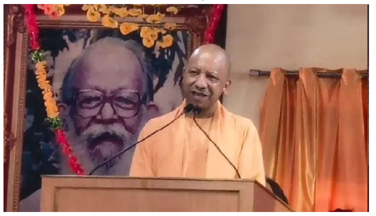

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म की एकता में ही समाज की सुरक्षा और मजबूती निहित है। पंथ और संप्रदाय की उपासना पद्धतियां भले अलग हों, लेकिन सभी का कल्याण वृहद सनातन धर्म की मजबूती में है। 140 करोड़ लोग यदि एक स्वर में हुंकार भरेंगे तो दुनिया की कोई ताकत उनके सामने नहीं ठहर सकती। अलग–अलग गति प्रगति का नहीं, दुर्गति का कारण बनेगी और अलग–अलग स्वर ताकत नहीं बल्कि पराजय का कारण बनेंगे।

मुख्यमंत्री मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित सप्त दिवसीय समारोह के तहत व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दोनों आचार्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान और दूरदर्शी कार्यों को याद किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम और सनातन के वैभव को जो लोग स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, वे दुष्प्रचार और भ्रम का सहारा लेंगे। उन्होंने हनुमान जी के संजीवनी बूटी लाने के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह हनुमान जी ने कालनेमि को पहचान लिया था, उसी तरह रामभक्तों को भी भ्रम फैलाने वालों को पहचानना होगा।

उन्होंने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ भारत की स्वतंत्रता को केवल राजनीतिक आजादी तक सीमित नहीं मानते थे। उनके लिए सांस्कृतिक स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक थी। उनका मानना था कि यदि सोमनाथ मंदिर की पुनर्प्राण प्रतिष्ठा हो सकती है तो अयोध्या में भी यह कार्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1949 में रामलला के प्रकटीकरण के समय महंत दिग्विजयनाथ, बाबा अभिराम दास और महंत रामचंद्र दास परमहंस सक्रिय थे। इसकी रणनीति देवीपाटन में महंत दिग्विजयनाथ, महाराजा बलरामपुर और तत्कालीन गोंडा जिलाधिकारी केके नायर के बीच बनी थी। आज 500 वर्षों बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर सनातन धर्मावलंबियों को गौरव की अनुभूति करा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि और विंध्यवासिनी धाम का भव्य स्वरूप सामने आया है। प्रयागराज महाकुंभ ने दुनिया के सामने सनातन परंपरा की सामर्थ्य को प्रस्तुत किया। उन्होंने वृंदावन के वैष्णव कुंभ का भी उल्लेख किया। योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ ने बिखरे नाथ संप्रदाय को अखिल भारतीय भेष बारह पंथ योगी महासभा के रूप में एकजुट किया। अपनी परंपरा का पालन करते हुए वृहद सनातन धर्म की एकता को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि देश की गुलामी के दौर और संसाधनों के अभाव के बीच महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। महाराणा प्रताप को आदर्श बनाने के पीछे स्वदेश, स्वाभिमान और स्वधर्म की भावना थी। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। विश्वविद्यालय के लिए मठ की संपत्ति और दो संस्थाएं सरकार को देने में उन्होंने श्रेय की चिंता नहीं की। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अंतर्गत 50 से 55 संस्थाएं संचालित हैं। इनमें विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, विद्यालय, अस्पताल और कृषि विज्ञान केंद्र शामिल हैं। महंत दिग्विजयनाथ ने बालिका शिक्षा के लिए विद्यालय और महाविद्यालय स्थापित किए। गोरखपुर में फर्टिलाइजर कारखाने और बीआरडी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के प्रयासों को आगे बढ़ाने में भी उनकी भूमिका रही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरक्षपीठ नाथ परंपरा की पीठ होने के बावजूद पूरे सनातन धर्म के लिए समर्पित है। यहां जाति, पंथ और संप्रदाय के आधार पर भेदभाव नहीं होता। सभी जातियों के लोग एक पंक्ति में भोजन करते हैं और आचार्यों व संतों को समान सम्मान दिया जाता है।

अयोध्या से आए जगद्गुरु स्वामी रामदिनेशाचार्य ने महंत दिग्विजयनाथ के शिक्षा, स्वास्थ्य और भारतीय परंपरा के क्षेत्र में योगदान को रेखांकित किया।

काशी के जगद्गुरु रामानंदाचार्य डॉ. रामकमल दास वेदांती ने कहा कि संत की साधना तभी सार्थक है, जब उससे लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त हो।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. भूपेश कुमार गोयल ने कहा कि 1932 में बोया गया शिक्षा का बीज आज विशाल स्वरूप ले चुका है।

कार्यक्रम में डॉ. रामनरेश पांडे की पुस्तक 'श्री हनुमत् कथा पूजनम्' का मुख्यमंत्री योगी और संतों ने विमोचन किया। इस अवसर पर जगद्गुरु द्वाराचार्य स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य, महंत बालकनाथ योगी, महंत योगी चेताईनाथ, जगद्गुरु संतोषाचार्य सतुआ बाबा और महंत मिथिलेशनाथ मौजूद रहे।

गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक सीट पर फिर ध्रुव त्रिपाठी पर भाजपा का भरोसा

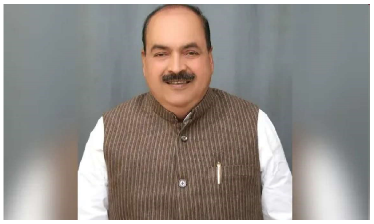

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर ध्रुव कुमार त्रिपाठी पर भरोसा जताया है। लगातार तीन बार इस सीट से निर्वाचित रहे ध्रुव कुमार त्रिपाठी अब भाजपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे। लंबे समय से उनके भाजपा से समर्थन हासिल करने की चर्चा चल रही थी। हाल के दिनों में भाजपा के भीतर भी उनके नाम को लेकर मंथन चल रहा था। ध्रुव कुमार त्रिपाठी वर्तमान में इस सीट के विधान परिषद सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उन्हें गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से शिक्षक दल (गैर राजनीतिक) का सदस्य दर्ज किया गया है। 2020 के चुनाव में उन्होंने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था और ध्रुव त्रिपाठी शिक्षक संघ शर्मा गुट के समर्थन से चुनाव जीते थे।

इस बार चुनाव की तस्वीर अलग है। भाजपा ने शिक्षक सीट पर अपने संगठनात्मक आधार के साथ ध्रुव त्रिपाठी को मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। सपा पहले ही शिक्षक नेता कमलेश यादव को प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। ऐसे में दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशी आमने–सामने होंगे। भाजपा की ओर से ध्रुव त्रिपाठी के नाम की चर्चा चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद से ही तेज थी। भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार से नामांकन शुरू हो गया है। नामांकन की अंतिम तिथि छह अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच सात अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि नौ अक्टूबर है। 23 अक्टूबर को सुबह आठ से शाम चार बजे तक मतदान होगा, जबकि 27 अक्टूबर को मतगणना कराई जाएगी। मौजूदा सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी का कार्यकाल छह दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है।

ध्रुव त्रिपाठी के भाजपा प्रत्याशी बनने से इस शिक्षक सीट का चुनाव अब और महत्वपूर्ण हो गया है। शिक्षक मतदाताओं के बीच लंबे समय से सक्रिय रहे ध्रुव त्रिपाठी के सामने इस बार पार्टी के संगठनात्मक समर्थन के साथ चुनावी मैदान में अपनी सीट बचाए रखने की चुनौती होगी।

ध्रुव कुमार त्रिपाठी वर्तमान में इस सीट के विधान परिषद सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उन्हें गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से शिक्षक दल (गैर राजनीतिक) का सदस्य दर्ज किया गया है। 2020 के चुनाव में उन्होंने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था और ध्रुव त्रिपाठी शिक्षक संघ शर्मा गुट के समर्थन से चुनाव जीते थे।

राप्ती का जलस्तर बढ़ा, बड़हरा गांव चारों तरफ से पानी से घिरा, सड़क कटी तो नाव से जाना होगा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मंगलवार को डुमरियागंज तहसील क्षेत्र में राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया। बड़हरा गांव चारों तरफ से पानी से घिर गया। गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाला संपर्क मार्ग भी कटान की जद में आ गया है। पानी का बहाव बढ़ने पर सड़क कटने से गांव का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट सकता है। स्थिति का जायजा लेने के लिए मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन गांव पहुंचे।

डीएम ने बड़हरा गांव पहुंचकर जलभराव की स्थिति देखी। इसके बाद ग्रामीणों के आवागमन के लिए बने संपर्क मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्थिति बिगड़ने पर तत्काल जरूरी इंतजाम करने को कहा। डीएम ने बताया कि नेपाल और जिले में हो रही बारिश के कारण राप्ती नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। डुमरियागंज तहसील के कई गांवों में पानी पहुंचने की स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। जरूरत पड़ने पर प्रभावित इलाकों में राहत व्यवस्था की तैयारी भी रखी गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि अगर बाढ़ की स्थिति और गंभीर होती है तो प्रभावित परिवारों को बाढ़ राहत किट और लंच पैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे। बड़हरा गांव के संपर्क मार्ग पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी न हो। डीएम ने बताया कि अगर पानी के तेज बहाव से संपर्क मार्ग कट जाता है तो ग्रामीणों के आवागमन के लिए नाव की व्यवस्था कराई जाएगी। प्रशासन नदी के जलस्तर और गांव की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। डीएम के मुताबिक, नेपाल में फिलहाल बारिश रुकने की जानकारी मिली है। ऐसे में आने वाले समय में राप्ती नदी का जलस्तर कम होने की उम्मीद है। प्रशासन की टीमें प्रभावित गांवों की स्थिति पर लगातार निगरानी कर रही हैं।

संपत्ति विवाद में पिता की हत्या, बेटा गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जैतपुर थाना क्षेत्र के मुस्कुराई गांव में करीब एक साल पहले हुई रामस्वरूप की हत्या का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया है। हत्या के आरोप में फरार चल रहे उसके बेटे ओमकार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक 5 सितंबर 2025 को रामस्वरूप के बेटे विपिन ने जैतपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ पिता की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस को हत्या में मृतक के बेटे ओमकार की भूमिका सामने आई। इसके बाद से ही वह फरार था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में ओमकार ने बताया कि उसके पिता शराब का सेवन करते थे। वह परिवार की संपत्ति बेचने और उसमें बड़ी बेटी को भी हिस्सा देने की बात करते थे। जलालपुर में बड़ी बेटी के लिए किराये का कमरा लेकर उसका खर्च भी पिता ही उठा रहे थे। इन बातों को लेकर घर में आए दिन विवाद होता था।

आरोपी के मुताबिक, इसी विवाद के दौरान वह अपना आपा खो बैठा। उसने कुल्हाड़ी से पिता पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया और करीब एक साल तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहा। एसपी प्राची सिंह के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी पूर्वी डॉ. तेजवीर सिंह के पर्यवेक्षण और सीओ जलालपुर अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जैतपुर पुलिस ने मंगलवार को ओमकार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली। आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 250 से अधिक लोगों की जांच

संवाददाता–गोरखपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को सेंट एंड्रयूज कॉलेज के असेंबली हॉल में एनसीसी, एनएसएस और संत कबीर लॉज 347 के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें कॉलेज के 250 से अधिक शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र–छात्राओं और उनके पाल्यों की स्वास्थ्य जांच की गई। सिटी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. वत्सल भूषण गुप्ता ने फेफड़े और सांस संबंधी समस्याओं की जांच की। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के पूर्व दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुमार श्रीवास्तव ने दांतों की जांच की। प्राचार्य प्रो. आरएन सैमुअल ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण जरूरी है। कार्यक्रम में प्रो. यूएन त्रिपाठी ने मैसानिक लॉज के बारे में जानकारी दी। आयोजन सचिव प्रो. अमित मसीह और डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. जेके पाण्डेय ने किया।

बाढ़ की आहट से डरे ग्रामीण, हिरुआ में कटान हुई तेज

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज के कछार में सरयू और राप्ती नदियों से फिर गांव घिरने लगे हैं। कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है और संपर्क मार्ग प्रभावित होने से ग्रामीणों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। बड़हलगंज क्षेत्र के बगहा देवार, ज्ञानकोल, कोलखास और नेतवारपट्टी में तहसील प्रशासन ने नाव की व्यवस्था की है। कोटियानिरंजन, गोनहा, जैतपुर, बल्थर और मुसाडोही समेत कई गांवों के संपर्क मार्गों पर भी पानी चढ़ गया है। बाढ़ खंड के सहायक अभियंता सुधांशु सिंह ने बताया कि फिलहाल कटान की सूचना नहीं है।

पीपीगंज क्षेत्र के हिरुआ गांव के सामने राप्ती नदी का कटान तेज हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार कई एकड़ उपजाऊ भूमि नदी में समा चुकी है। उन्होंने तत्काल कटानरोधी कार्य और ठोकर निर्माण कराने की मांग की है।

बांसगांव क्षेत्र में एसडीएम मलखान सिंह ने तहसीलदार सुशील कुमार भारती के साथ करजहीं, कतरारी, अईमा और बेला सहित बाढ़ संभावित गांवों का निरीक्षण किया। राजस्वकर्मियों को लगातार भ्रमण और जलस्तर की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

आमी नदी का जलस्तर बढ़ने से परई ताल भी लबालब हो गया है। इससे फसल की सिंचाई को लेकर चिंतित किसानों को राहत मिली है। सहजनवां में एसडीएम नमन मेहता ने बरहुआ बाढ़ चौकी का निरीक्षण कर कालेसर–बरहुआ बांध के रेनकट भरने और पत्थर के ठोकरों की निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ चौकियों को सक्रिय रखते हुए जलस्तर की सूचना समय से देने का निर्देश दिया।

मछली पकड़ने गए युवक की नहर में डूबने से मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के लोहटी गांव में सोमवार रात राप्ती नहर में डूबने से 20 वर्षीय बीरु पुत्र रामदेव पासवान की मौत हो गई। वह कुछ लोगों के साथ मछली पकड़ने के लिए सरयू नहर परियोजना की राप्ती नहर के मेन कैनाल में गया था। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे बीरु अन्य लोगों के साथ नहर में मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह पानी में समा गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने काफी प्रयास के बाद बीरु को नहर से बाहर निकाला। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और शव को अपने साथ घर ले गए।

घटना की जानकारी पुलिस को भी मिली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन शव को घर ले गए। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, राप्ती नहर में इन दिनों पानी अधिक है और कई स्थानों पर गहराई भी ज्यादा है। इसी वजह से मछली पकड़ने के दौरान बीरु गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद ग्रामीणों में भी शोक का माहौल है।

सीनियर को बनाया निजी हास्पिटल का नोडल, दो दिन में आदेश कैंसिल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग में सीनियारिटी ताक पर है। सीएमओ डॉ. संजय कुमार दोहरे ने सीनियर चिकित्सक एसीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार को निजी हॉस्पिटल का नोडल बनाया। पत्र जारी होने के दो दिनों के भीतर आदेश को कैंसिल कर दिया गया। इससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। विभाग में चर्चा है कि एक कर्मचारी के इशारे पर निजी हॉस्पिटल व पीसीपीएनडीटी का नोडल तय किया जा रहा है। इसमें बाहरी हस्तक्षेप भी शामिल है, बावजूद जनपद स्तरीय अधिकारी मामले को संज्ञान लेने को तैयार ही नहीं हैं।

दरअसल, स्वास्थ्य विभाग में एसीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार सभी चिकित्सकों में सीनियर हैं। सीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार ने सीनियारिटी को ध्यान में रखते हुए डॉ. प्रमोद कुमार को निजी हॉस्पिटल का नोडल अधिकारी बनाया। इसके लिए 17 सितंबर को आदेश जारी किया। जिसमें उल्लेख किया कि नैदानिक स्थापना का कार्य सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डॉ. प्रमोद कुमार को नोडल अधिकारी व नोडल अधिकारी रहे डॉ. मानवेंद्र पाल को सहायक नोडल अधिकारी नामित किया। यह आदेश जारी होने के बाद दो दिनों के भीतर 19 सितंब को सीएमओ ने अपना आदेश कैंसिल कर दिया और निजी अस्पताल के सहायक नोडल अधिकारी बनाए गए डॉ. मानवेंद्र पाल को पूर्व की भांति पुनरू नोडल अधिकारी नामित कर दिया गया। यह पीसीपीएनडीटी (अल्ट्रासाउंड) का भी कार्य देख रहे हैं। विभाग में चर्चा है कि सीनियर चिकित्सक को नोडल अधिकारी बनाने के बाद किस दबाव में सीएमओ ने उन्हें दो दिनों के भीतर पद मुक्त कर दिया। आखिर विभाग की ऐसी क्या मजबूरी है कि बाहरी इशारे पर नोडल अधिकारी नामित किए जा रहे हैं।

एसीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार को निजी हॉस्पिटल का नोडल अधिकारी बनाया गया था। किन्हीं कारण से उन्हें हटाकर पूर्व नोडल को पुनः जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम का बेहतर तरीके से संचालन कराया जाएगा। किसी के दबाव में नोडल नहीं बदला गया है। सीएमओ डॉ. संजय कुमार दोहरे ने एसीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार को निजी हॉस्पिटल का नोडल अधिकारी बनाया था।

आंगनबाड़ी केंद्र पर गूँजा सोहर, गर्भवतियों की हुई गोद भराई

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सेवा संकल्प आंगन मिलन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र समडीह में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति विभाग की सदस्य एवं भाजपा अवध क्षेत्र सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की सह संयोजक उपमा पाण्डेय ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कराई गई। महिलाओं और बच्चों के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई। मुख्य अतिथि उपमा पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से महिलाओं और बच्चों के हित में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।गोद भराई की रस्म के बाद कार्यक्रम का माहौल उस समय और खुशनुमा हो गया, जब उपमा पाण्डेय ने महिलाओं के साथ सोहर गीत गाया। महिलाओं ने भी उत्साह के साथ सहभागिता की। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और क्षेत्र की महिलाएं मौजूद रहीं।

दिग्विजयनाथ कॉलेज में संतों और शहीद सैनिकों को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता–गोरखपुर। । दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं और महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। इस दौरान सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर पर देश की रक्षा में शहीद वीर सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ सदस्य रामजन्म सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप और गोरक्षपीठ की शिक्षा व सेवा की गौरवशाली परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप त्याग, संघर्ष, राष्ट्रनिष्ठा और स्वाभिमान के प्रतीक रहे हैं। इसी परंपरा को महंत दिग्विजयनाथ ने शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाया। वर्ष 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना इसी सोच का परिणाम थी।

उन्होंने कहा कि महंत अवेद्यनाथ ने शिक्षा की इस परंपरा को विस्तार देते हुए विद्यालयों, महाविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास के साथ चिकित्सा और जनसेवा के क्षेत्र में भी कार्य किया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि संतों और सैनिकों के त्याग एवं बलिदान से देश की सुरक्षा और सामर्थ्य मजबूत होती है। उनके जीवन से देश, संस्कृति और समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। संचालन डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. अंशुमान सिंह ने किया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0 /–कायमी
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विजय कुमार
बनाम
झिनकू

1. विजय कुमार पुत्र द्वारिका 2. संदीप कुमार 3. प्रदीप कुमार पुत्रगण स्व0 राजकुमार साकिनान मौजा उनियार तप्पा गौर परगना बस्ती पूरव तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–11–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–35/2026

सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी बस्ती आदि
बनाम
अब्दुल हमीद आदि

1. अब्दुल हमीद उम्र लगभग 70 वर्ष 2. अव्दुल लतीफ उम्र लगभग 63 वर्ष 3. अब्दुल हई उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्रगण मोहम्मद समी 4. अबूबकर उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र अव्दुल रहीम ग्राम रौनहिया तप्पा बासखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट/वादीगण

5. मायाराम पुत्र लाले ग्राम मझौवा कला द्वितीय तप्पा बासखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट/प्रतिवादी सं0–3

तारीख पेशी 22–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0–295/2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

राधेश्याम
बनाम
भोला प्रसाद आदि

1. भोला प्रसाद पुत्र महावीर निवासी जंगल सालिकराम कलेक्ट्री पो0 शिवपुर जिला गोरखपुर पिन 273014 उ0प्र0 (वाहन स्वामी एंव चालक वाहन माल वाहक वाहन नं0–UP53 G.T-5690)

तारीख पेशी 02–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com